अध्याय–पंचम

शोध सारांश व सुझाव

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या का कथन

5.3 शोध के उद्देश्य

5.4 परिकल्पना

5.5 अध्ययन के चर

5.6 शोध अभिकल्प

5.7 प्रतिचयन

5.8 उपकरण

5.9 ऑकड़ो का विश्लेषण

5.10 मुख्य परिणाम

5.11 शैक्षिक महत्व

5.12 भविष्य के लिए सुझाव

5.13 अनुसंधान के लिए विषय

अध्यायः पंचम

शोध सारांश व सुझाव

5.1 प्रस्तावना–

पिछले 50 वर्षो में भारत में शैक्षिक संस्थाओं की संख्या में तीव्रतर बढ़ोत्तरी हुई है। लेकिन शिक्षा स्तर आज भी निम्न है। आज शिंक्षा का परिदृश्य अपेक्षाकृत निराशाजनक है, गुणवत्ता को लेकर भी स्थिति उत्साहजनक नहीं है। आज हर विषय का पाठ्यांश अलग–अलग तकनीकी इस्तेमाल करके पढ़ाना चाहिए ताकि कौनसे विधि से प्रभाव पड़ता है यह समझ आयेगा। किसी चीज या पाठ्यांश के लक्षणों के बजाय उनकी मूलभूत अवधारणायें पढ़ाई जाना जरूरी है। जिसमें विद्यार्थी विभिन्न परिभाषाओं, अवधारणाओं, सिद्धान्तों, प्रयोगों विश्लेषण, अवलोकन एवं निष्कर्ष को आसानी से ग्रहण कर उपयोग कर सकते हैं।

यह अध्याय संपूर्ण अध्ययन का संक्षिप्त चित्र प्रस्तुत करता है। इस अध्ययन में मानचित्र की अवधारणाओं संबंधी समस्या के लिए और उपलब्धि के लिए एक शिक्षण विधि का परीक्षण किया गया है। इसमें मानचित्र तथा मानचित्र की मूलभूत अवधारणाएँ मुख्य बिन्दू है।

5.2 समस्या का कथन –

"कक्षा नववीं के भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणाओं का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन" शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है।

5.3 शोध के उद्देश्य -

इस अध्ययन के उद्देश्य निम्नांकित है-

1. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'शीर्षक तथा उपशीर्षक संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
2. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'अक्षांश-देशान्तर संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
3. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'मापनी संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
4. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'दिशा संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
5. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'रूढ़ चिन्हं एवं खूणा संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
6. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'सूची संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।
7. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की ''मूलभूत अवधारणाओं संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

5.4 परिकल्पनाऐं –

इस अध्ययन की निम्नांकित परिकल्पनाएँ है–

1. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'शीर्षक तथा उपशीर्षक' संबंधी ज्ञान, का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।
2. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'अक्षांश–देशांतर से संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।
3. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'मापनी संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।
4. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'दिशा संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।
5. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'रूढ़ चिन्हं एवं खूणा संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।
6. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'सूची संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।
7. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की 'मूलभूत अवधारणाओं संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं होगा।

5.5 अध्ययन के चर –

अध्ययन में चर इस प्रकार के लिए गये है–

स्वतंत्र चर – मानचित्र अवधारणा।

आश्रित चर – उपलब्धि

5.6 शोध अभिकल्प –

यह शोध एक प्रयोगात्मक शोध है। जो कि शोधकर्ता द्वारा एक विद्यालय में संचालित किया गया है। जिसमें मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणाओं संबंधी कठिनाईयों को ज्ञात कर उपलब्धि का प्रभाव सांख्यिकीय विश्लेषण से ज्ञात किया गया।

5.7 प्रतिचयन –

एक विद्यालय का चयन शिक्षण सुविधा के आधार पर किया गया तथा कक्षा नववीं के छात्रों को लिया गया।

5.8 उपकरण –

अध्ययन में पूर्व–परीक्षण तथा पश्च परीक्षण का उपयोग किया गया। यह स्वनिर्मित परीक्षण–पत्र (प्रश्नावली) है। प्रश्नों की संख्या तथा गुण अवधारणाओं कठिनाईयों के स्तर के आधार पर रखे गये।

5.9 आंकडों का विश्लेषण –

आंकडों का विश्लेषण प्रतिशत, मध्यमान, मानक विचलन, टी–परीक्षण द्वारा किया गया।

5.10 मुख्य परिणाम –

1. मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'शीर्षक तथा उपशीर्षक संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव हुआ।
2. मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'अक्षांश–देशांतर संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव हुआ।

3. मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'मापनी संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव हुआ।

4. मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'दिशा संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव हुआ।

5. मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'रूढ़ चिन्हं एवं खूणा संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव हुआ।

6. मानचित्र अध्ययन की मूलभूत अवधारणा 'सूची संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव नहीं हुआ।

7. भूगोल विषय में मानचित्र अध्ययन की 'मूलभूत अवधारणाओं संबंधी ज्ञान' का उपलब्धि पर प्रभाव हुआ।

अर्थात् शोध में शिक्षण विधि पूर्ण रूप से प्रभावकारी सिद्ध होती है। मानचित्र अध्ययन की शीर्षक उपशीर्षक, अक्षांश-देशान्तर, मापनी, दिशा, रूढ़ चिन्हं एवं खूना इस पांच अवधारणा में उपलब्धि तथा सफलता प्राप्त हुई है। केवल सूची संबंधी ज्ञान में उपलब्धि नहीं पायी गयी।

5.11 शैक्षिक महत्व –

- इस प्रस्तुत शोध में एक प्रमुख निष्कर्ष सामने आया है कि कक्षा में बच्चों को किसी विषय में केवल लक्षण न पढ़ाया जाए बल्कि छात्रों को मूलभूत अवधारणाएँ, संकल्पनाएँ पढ़ाई जानी चाहिए।

- छात्र एक बार किसी संकल्पना तथा अवधारणा को समझ सकें तो वह उसके ज्ञान पर उसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

5.12 भविष्य के लिए सुझाव –

- भूगोल विषय के शिक्षकों ने पाठ्यांश के अनुरूप मानचित्र का सही इस्तेमाल करना चाहिए। इससे छात्रों को मूलभूत अवधारणाएँ तथा संकल्पनाएँ स्पष्ट हो सकती है।
- पढ़ाते समय छात्रों को कृति के द्वारा शिक्षण देना चाहिए।
- कक्षा में शैक्षिक साहित्य के रूप में मानचित्र छात्रों के द्वारा तैयार करके लेने चाहिए।
- मानचित्र संबंधी रूचि निर्माण करने के लिए कुछ कृति कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। उदाहरण– मानचित्र भरण स्पर्धा।
- पाठ्यपुस्तक के अलावा कुछ संदर्भो का इस्तेमाल करना चाहिए। उदाहरण– ॲटलास
- मीडिया/कम्प्यूटर/टी.वी.चैनल के साथ भूगोल विषय का संबंध व अध्यापन का अध्ययन किया जा सकता है।

5.13 अनुसंधान के लिए विषय –

- अनुसंधानकर्ता ने जो विषय लिया है वह कक्षा नववी के लिए है। यही विषय दूसरी कक्षा के लिए ले सकते हैं।
- अनुसंधानकर्ता ने इसमें एक समूह पर प्रयोग किया है यह विषय पूर्व–परीक्षण लेकर दो समूह बनाके कर सकते हैं।